



सत्यमेव जयते

आयुक्त का कार्यालय

Office of the Commissioner

केंद्रीय जीएसटी, अपील अहमदाबाद आयुक्तालय

Central GST, Appeals Ahmedabad Commissionerate  
जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद-380015

GST Bhavan, Ambawadi, Ahmedabad-380015

Phone: 079-26305065 - Fax: 079-26305136

E-Mail : [commrappl1-cexamd@nic.in](mailto:commrappl1-cexamd@nic.in)

Website : [www.cgstappealahmedabad.gov.in](http://www.cgstappealahmedabad.gov.in)



**By SPEED POST**

DIN:- 20240364SW000000AB10

(क)	फाइल संख्या / File No.	GAPPL/COM/STP/4388/2023 / ५१७ - ११
(ख)	अपील आदेश संख्या और दिनांक / Order-In -Appeal and date	AHM-EXCUS-002-APP-287/23-24 dated 20.03.2024
(ग)	पारित किया गया / Passed By	श्री ज्ञानचंद जैन, आयुक्त (अपील) Shri Gyan Chand Jain, Commissioner (Appeals)
(घ)	जारी करने की दिनांक / Date of Issue	30.03.2024
(ङ)	Arising out of Order-In-Original No.	GST-06/D-VI/O&A/612/SHRIDHAR/AM/2022-23 dated 24.2.2023 passed by The Assistant Commissioner, CGST Division-VI, Ahmedabad North
(च)	अपीलकर्ता का नाम और पता / Name and Address of the Appellant	Shridhar Softech Pvt. Ltd. SF-12, Maurya Time Square Opp. R.K Hall, Science City Road Sola, Ahmedabad - 380061

कोई व्यक्ति इस अपील-आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील अथवा पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जैसा कि ऐसे आदेश के विरुद्ध हो सकता है।

Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way.

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन:-

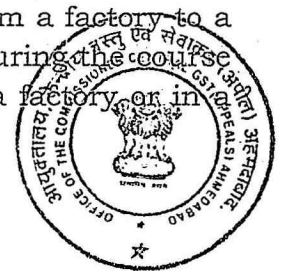
**Revision application to Government of India:**

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली: 110001 को की जानी चाहिए :-

A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4<sup>th</sup> Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :-

(क) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानिकार खाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in warehouse.



(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(घ) अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं 2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हों।

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतरमूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ का मुख्य शीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(3) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम होतो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्नरकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

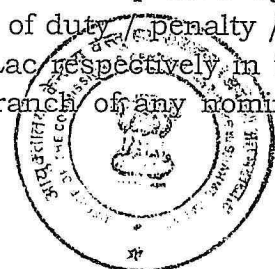
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-  
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-  
Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(2) उक्तलिखित परिच्छेद में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में 2<sup>nd</sup> माला, बहुमाली भवन, असरवा, गिरधरनागर, अहमदाबाद-380004।

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> floor, Bahumali Bhawan, Asarwa, Girdhar Nagar, Ahmedabad: 380004. In case of appeals other than as mentioned above para.

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / Penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public



sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची -1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूलआदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रतिपर रू 6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) एके प्रति अपीलो के मामले में कर्तव्यमांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवाकर के अंतर्गत, शामिल होगा कर्तव्य की मांग (Duty Demanded)।

- (1) खंड (Section) 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (2) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (3) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि।

यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में अपील' दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994).

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

(6) (i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute or penalty, where penalty alone is in dispute."



ORDER-IN-APPEAL

The present appeal has been filed by M/s. Shridhar Softech Pvt. Ltd.,SF-12,maurya Time Sqare, Opp. R.K. Hall, Science City Road, Sola, Ahmedabad-380061 (hereinafter referred to as "the appellant") against Order-in-Original No. GST-06/D-VI/O&A/612/Shridhar/AM/2022-23 dated 24.02.2023 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Assistant Commissioner, Central GST and C. Ex., Division-VI, Ahmedabad North (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2. Briefly stated, the facts of the case are that the appellant are holding PAN No. AAYCS0532Q. On scrutiny of the data received from the Central Board of Direct Taxes (CBDT) for the FY 2016-17, it was noticed that the appellant had earned an income of Rs. 1,74,13,525/- during the FY 2016-17, which was reflected under the heads "Sales of services under sales / Gross Receipts from Services (Value from ITR)" filed with the Income Tax department.

F.Y.	Gross Receipt from sales of services(as per ITR)	Service tax not/Short paid
2016-17	1,74,13,525/-	26,12,028/-

Accordingly, it appeared that the appellant had earned the said substantial income by way of providing taxable services but has neither obtained Service Tax registration nor paid the applicable service tax thereon. The appellant were called upon to submit copies of relevant documents for assessment for the above said period. However, the appellant had not responded to the letters issued by the department.

2.1 Subsequently, the appellant was issued Show Cause Notice No. GST-06/04-1348/Shridhar/2021-22/5135 dated 18.10.2021 demanding Service Tax amounting to Rs. 26,12,028/- for the period FY 2016-17, under proviso to Sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994. The SCN also proposed recovery of interest under Section 75 of the Finance Act, 1994; recovery of late fees under Rule 7C of the Service Tax Rules, 1994 read with Section 70 of the Finance Act, 1994; and imposition of penalties under Section 77 and Section 78 of the Finance Act, 1994.

2.2 The Show Cause Notice was adjudicated vide the impugned order by the adjudicating authority wherein the demand of Service Tax total amounting to Rs. 26,12,028/- for F.Y. 2016-17 was confirmed under proviso to Sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994 along with Interest under Section 75 of the Finance Act, 1994. Further (i) Penalty of Rs. 26,12,028/- was also imposed on the appellant under Section 78 of the Finance Act, 1994; (ii) Penalty of Rs. 10,000/- was imposed on the appellant under Section 77(i) of the Finance Act,



1994; and (iii) Penalty of Rs. 40,000/- was imposed on the appellant under Section 70 of the Finance Act, 1994 read with Rule 7C of the Service Tax Rules, 1994.

3. Being aggrieved with the impugned order passed by the adjudicating authority, the appellant have preferred the present appeal, inter alia, on the following grounds:

- The appellant submitted that they never received any letter or reminder from the department and directly served SCN which is violation of principle of natural justice. Compliance of the SCN was made vide their letter dated 10.11.2021 stating that the name of partnership firm M/s Prompt Softech was changed to M/s Shridhar Softech and thereafter the same was converted to Pvt. Ltd. Company named Shridhar Softech Pvt. Ltd.
- The appellant submitted that the impugned OIO is incorrect and not tenable as all the business of the appellant was carried out in their existing (earlier) original firm named M/s Prompt Softech. All the turnover of the appellant was shown and reported in ST-3 of the Prompt Softech. The departmental audit has also been conducted of the Prompt Softech. They requested to set aside the impugned OIO and allow their appeal.

4. Personal hearing in the case was held on 06.03.2024. Shri Meet M Jadawala, C.A. appeared for personal hearing on behalf of the appellant. He reiterated the contents of the written submission and requested to allow 5 days time to make additional submission which have been received in this office on dated 13.03.2024.

5. I have carefully gone through the facts of the case, grounds of appeal, submissions made in the Appeal Memorandum, during the course of personal hearing and documents available on record. The issue to be decided in the present appeal is whether the impugned order passed by the adjudicating authority, confirming the demand of service tax against the appellant along with interest and penalty, in the facts and circumstance of the case, is legal and proper or otherwise. The demand pertains to the period FY 2016-17.

6. I find that in the SCN in question, the demand has been raised for the period FY 2016-17 based on the Income Tax Returns filed by the appellant as the appellant failed to respond to departmental letters. Further the demand was also confirmed by the adjudicating authority.

7. Now, as the submission is filed before me. It is noticed that the appellant has claimed that the partnership firm namely M/s Prompt Softech was changed to M/s Shridhar Softech. However, no such evidence/certificate issued by any authority is furnished. Both the firms are having different PAN NO. Further, appellant has also furnished the copy of audited Balance sheet for the period from 01.04.2016 to 31.10.2016 in name of M/s Shridhar Softech mentioned as M/s Shridhar Softech (Formerly known as Prompt Softech). In absence of





sufficient documents, it can't be conclude that the M/s Prompt Softech was changed to M/s Shridhar Softech. The detailed verification of records of the appellant is required at the adjudication stage.

AS claimed by the appellant, to get merged with the Prompt Equipment Private Limited, they were required to be Pvt. Ltd. Therefore, M/s Shridhar Softech got converted to M/s Shridhar Softech Pvt. Ltd and were in existence from 01.11.2016 to 31.12.2016. However, they failed to furnish the Form INC-1 and incorporation certificate as claimed in their written submission. Further, They have claimed that they shown the turnover of 2 months Rs. 88,20,891/- in ST-3 returns of M/s Shridhar Softech (earlier known as M/s Prompt Softech). While going through the ST-3 return filed for the period from Oct-2016 to Mar-2017 it is seen that the total taxable value declared is more than 2 Crs. and it can't be ascertained that the above amount Rs. 88,20,891/- is included in total taxable value or otherwise. To ascertain the actual turnover of the appellant, a detailed inquiry is required at the adjudication stage.

W.E.F. 01.01.2017 to 31.03.2017, they were merged with Prompt Equipment Private Limited. The appellant has furnished the copy of the national company law tribunal , Ahmedabad bench order CP(CAA) No 41 to 45 of 2017 dated 18.08.2017 in support of their claim. The turnover details for the F.Y. 2016-17 are as under:

Sr. No.	Remark	Domestic Turnover	Export turnover	Total turnover
1	Turnover of M/s Shridhar Softech(01.04.2016 to 31.10.2016)	1,67,26,516/- (Shown in ST-3)	1,03,47,715/- (by mistake not shown in ST-3)	2,70,74,231/-
	M/s Shridhar Softech Pvt. Lts.(01.11.2016 to 31.12.2016)	48,45,428/-(Rs. 3595/- short Shown in ST-3)	39,75,463/- (Shown in ST-3)	88,20,891/-

Further, The appellant has furnished the ledgers of export of service of Rs. 1,03,47,715/- ,copies of invoice and bank account statement. From the ledgers and invoices it appears that the appellant has provided services to its overseas clients but they failed to furnish the FIRC in this regard. Hence not fulfilled the condition of the Rule 6A of service tax Rules and the services provided by them can't be considered as export of service.

8. In view of the above discussion, this will be fit to remand the matter for necessary verification at the adjudication stage with the direction to the appellant to submit all the required documents before the original adjudicating authority.



9. In view of above, I allow the appeal by way of remand.

10. अपील कर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.

(ज्ञानचंद जैन)

आयुक्त (अपील्स)

Date: 20.03.24



Attested

Manish Kumar  
Superintendent(Appeals),  
CGST, Ahmedabad

By RPAD / SPEED POST

To,  
M/s. Shridhar Softech Pvt. Ltd.,  
SF-12,maurya Time Sqare,  
Opp. R.K. Hall, Science City Road,  
Sola, Ahmedabad-380061

Appellant

The Assistant Commissioner,  
Central GST and C. Ex.,  
Division-VI, Ahmedabad North

Respondent

Copy to :

- 1) The Principal Chief Commissioner, Central GST, Ahmedabad Zone
- 2) The Commissioner, CGST, Ahmedabad North
- 3) The Assistant Commissioner, Central GST and C. Ex., Division-VI, Ahmedabad North
- 4) The Assistant Commissioner (HQ System), CGST, Ahmedabad North  
(for uploading the OIA)

- 5) Guard File
- 6) PA file

